ग्रेटर नोयडा में नाइट सफारी के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने की पहल

लखनऊ, 29 मई 2012:

उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग, पर्यावरण व निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ग्रेटर नोयडा में 'नाइट सफारी' को सार्वजनिक–निजी सहभागिता के माध्यम से विकसित करने की प्रक्रिया को तेज करने का निर्णय किया है।

मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अध्यक्षता में एक उच्च–स्तरीय बैठक में आज इसके लिए बिड आमंत्रित करने हेतु विचार करने का निर्णय लिया गया। इसके त्वरित व समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए मुख्य सचिव, जावेद उस्मानी की अध्यक्षता में एक समिति के गठन पर भी निर्णय लिया गया, जबकि ग्रेटर नोयडा अथॉरिटी बिडिंग प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार होगी।

इस बैठक में प्रदेश के उच्चाधिकारियों– मुख्य सचिव जावेद उस्मानी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त अनिल कुमार गुप्ता, प्रमुख सचिव–वन, आवास, सचिव पर्यटन, ग्रेटर नोयडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सी.इ.ओ.) के अतिरिक्त सिंगापुर के कार्यकारी उच्चायुक्त जोनाथन टॉ व उनके प्रथम सचिव वित्त चेन काह मेई ने भी सक्रिय प्रतिभाग किया।

ज्ञात हो कि प्रस्तावित विश्व–स्तरीय नाइट सफारी भारत में अपनी तरह की पहली तथा एशिया में सिंगापुर के बाद दूसरी होगी, जिसको नियंत्रित पर्यावरण व परिस्थितियों में विकसित किया जाएगा।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आई.आई.डी.सी.) अनिल कुमार गुप्ता ने बताया, "उत्तर प्रदेश सरकार इस अभूतपूर्व नाइट सफारी के विकासकर्ता के चयन के लिए बिड्स आमंत्रित करने पर विचार कर रही है।" उन्होंने बताया कि सार्वजनिक–निजी सहभागिता के माध्यम से विकसित की जाने वाली इस पर्यटन परियोजना में पूरा निवेश विकासकर्ता द्वारा किया जाएगा, जबकि राज्य सरकार केवल जमीन का प्रबन्ध करेगी।

भूमि संबंधित किसी भी व्यवधान की सम्भावना के इन्कार करते हुए आई.आई.डी.सी. ने सूचित किया कि नाइट सफारी हेतु निर्दिष्ट लगभग 102 हेक्टेयर भूमि के भू–उपयोग परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह भू–भाग पहले से ही 'रिक्रियेशनल ग्रीन' के रूप में अनुमोदित है। साथ ही इस रात्रि प्राणी उद्यान परियोजना को सेन्ट्रल जू अथॉरिटी *(Central Zoo Authority)* और सर्वोच्च न्यायलय की विधिक स्वीकृति *(Statutory approval)* भी मिल गई है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित परियोजना के क्षेत्र में किसी भी प्रकार के आवासीय व वाणिज्यिक भवनों के निर्माण की आज्ञा नहीं होगी। इसमें 40 प्रतिशत् प्राणी भारतीय उपमहाद्वीप से तथा 60 प्रतिशत् भारत के बाहर के प्रस्तावित हैं।

ज्ञात हो कि ग्रेटर नोयडा में प्रस्तावित इस नाइट सफारी परियोजना की परिकल्पना पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, वनारोपण तथा निकटवर्ती क्षेत्रों के लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2005 में हुई थी। इसका मास्टर प्लान बर्नार्ड हैरिसन एण्ड फ्रेण्ड्स द्वारा पहले ही तैयार कर लिया गया है।

ऐसा अनुमानित है कि लगभग 7000 पर्यटक प्रतिदिन बन्द गाड़ियों में सुरक्षित रूप से इस नाइट सफारी विहार का आनन्द उठा सकेंगे। इसमें कुल 71 प्रजातियों के 841 प्राणी होंगे, जिसमें से 58 प्रजातियाँ स्तनपायी, 8 प्रजातियाँ पक्षियों, 3 प्रजातियाँ सरीसृप तथा 2 प्रजातियाँ मछलियों की प्रस्तावित हैं। योजनानुसार इसमें एक 'एन्ट्रेन्स प्लाजा', 'नाइट सफारी राइड–सॉफ्ट ड्राइव', लॉयन त्सावो– हार्ड ड्राइव', इण्डियन ट्रेल और अमेज़न ट्रेल होंगे।